विश्व पर्यावरण दिवस की रिपोर्ट

शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर द्वारा भारत सरकार के आदेशानुसार "**आजादी के अमृत महोत्सव"** के तहत विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह के साथ मनाया गया | इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का थीम ***"ONLY ONE EARTH (केवल एक धरा) "*** था | इस अवसर पर संस्थान द्वारा 3 जून से 5 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए |

कार्यक्रमों की शुरुआत श्री एम. आर. बालोच, आई.एफ.एस., निदेशक की अध्यक्षता एवं डॉ. तरुण कान्त, समूह समन्वयक (शोध) के समन्वय से 3 जून 2022 को एक "मानव श्रंखला" बनाकर हुई, जिसमें संस्थान के समस्त में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों द्वारा "ONLY ONE EARTH (केवल एक धरा)" के पर्यावरण के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया | शोधार्थियों द्वारा "ONLY ONE EARTH" विषय से पर्यावरण संरक्षण का सन्देश देने वाले पोस्टर प्रदर्शित किए |

इसके पश्चात आफरी मुख्य परिसर में श्रमदान के तहत निदेशक महोदय, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों द्वारा प्लास्टिक एवं अन्य कचरा का कचरा निस्तारण हेतु इकट्ठा किया गया |

3 जून 2022 को ही "पर्यावरण एवं योग: एक समन्वय" पर एक कार्यक्रम का आयोजन आफरी, जोधपुर द्वारा किया गया | इस कार्यक्रम में योग विश्वगुरु महामंडलेश्वर परमहंस श्री स्वामी महेश्वरानंद पुरीजी, ओम विश्व दीप गुरुकुल आश्रम और शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, जाडन, पाली (राजस्थान) ने अपने शिष्यों स्वामी प्रेमानंद पुरी, स्वामी उमा पुरी, स्वामी अवतार पुरी और स्वामी फूल पुरी के साथ हिस्सा लिया | इस अवसर पर योग गुरू श्री स्वामी महेश्वरानंद पुरीजी द्वारा आफरी परिसर में पौधारोपण किया गया | संस्थान के निदेशक श्री बालोच ने सभी योग गुरुओं का स्वागत करते हुए श्री स्वामी महेश्वरानंद पुरीजी द्वारा देश विदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण कार्यों की जानकारी दी | इस अवसर पर

स्वामी प्रेमानंद पुरी, स्वामी उमा पुरी, स्वामी अवतार पुरी और स्वामी फूल पुरी ने भी पर्यावरण के महत्ता को बताते हुएं पौधारोपण एवं जल संरक्षण का आव्हान किया | श्री स्वामी महेश्वरानंद पुरीजी ने योग एवं पर्यारवरण से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला | डॉ. तरुण कान्त द्वारा सभी आगुन्तकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया| इस कार्यक्रम का संचालन श्री सोहन लाल गर्ग द्वारा किया गया |

मानव श्रंखला कार्यक्रम की झलकियाँ

श्रमदान कार्यक्रम की झलकियाँ

योग एवं पर्यावरण एक समन्वय कार्यक्रम की झलकियाँ

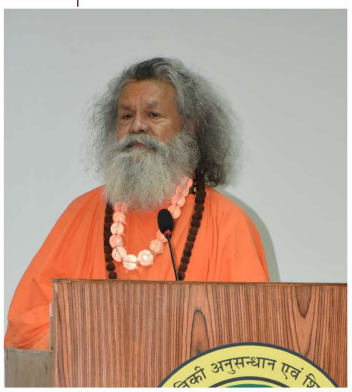

5 जून 2022 को पर्यावरण दिवस पर महिला पी.जी. प्रताप नगर, जोधपुर में अध्यात्मिक क्षेत्र पर्यारवरण संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित पर्यावरण दिवस समारोह में आफरी के निदेशक श्री एम. आर. बालोच, आई.एफ.एस. (पी.सी.सी.एफ.) को, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री गोपालकृष्ण व्यास द्वारा 33वाँ वृक्ष बन्धु पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया | यह पुरस्कार आफरी को "नगरीय सघन पौधारोपण" के लिए प्रदान किया गया | इस अवसर पर आफरी के निदेशक श्री बालोच ने अपने उदबोधन में संस्थान द्वारा पर्यावरण एवं वानिकी के क्षेत्र में संचालित विभिन्न शोध गतिविधयों, लवणीय भूमि के लिए जीन संप्रेषित नीम की वैरायटी, आफरी द्वारा शीशम क्लोन रिलीज, लूणी नदी के पुनरुद्धार हेतु आफरी द्वारा तैयार स्वीकृत डी.पी.आर., औषधीय पौधों और प्रकृति कार्यक्रम पर प्रकाश डाला | इस कार्यक्रम में संस्थान के डॉ. तरुण कान्त, समूह समन्वयक (शोध) एवं समस्त प्रभागाध्यक्ष उपस्थित रहे |

आफरी निदेशक श्री एम. आर. बालोच, आई.एफ.एस. (पी.सी.सी.एफ) 33वाँ वृक्ष बन्धु पुरस्कार ग्रहण करते हुए

5 जून 2022 की सांय आफरी कैम्पस में भी विस्तार विभाग, आफरी द्वारा पर्यावरण दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया | इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एस. एल. लखानी, पूर्व सीनियर एडिशनल रजिस्ट्रार, कोआपरेटिव डिपार्टमेंट, जोधपुर एवं एवं विशिष्ट अतिथि श्री सुभाष चन्द्र, जॉइंट डायरेक्टर, एन.एस.टी.आई. जोधपुर थे | इस कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा आफरी परिसर में पौधा रोपित किया गया | तत्पश्चात आफरी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के संचालक श्री राजेश गुप्ता, मुख्य तकनीकी अधिकारी, अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया एवं आफरी निदेशक एवं समूह समन्वयक (शोध) द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया | इस अवसर पर संस्थान के डॉ. तरुण कान्त, समूह समन्वयक (शोध) ने अपने संबोधन में इस बार की थीम के बारे में बताते हुए कहा कि, केवल एक धरा के संरक्षण के लिए वनों का विनाश एवं प्रदूषण की वजह से जलवायु परिवर्तन को रोकना अतिआवश्यक है| इसके लिए मानव अभी भी नही चेतता है तो बहुत नुकसान उठाने पड़ेंगे |

विशिष्ट अतिथि श्री सुभाष चन्द्र ने अपने भाषण में बताया कि पूरे ब्रह्माण्ड में केवल एक पृथ्वी पर ही ऑक्सीजन के कारण जीवन संभव है | इस प्राणवायु को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है | इस अवसर पर श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता, सहायक निदेशक, राजभाषा, श्री अनिल शर्मा, तकनीकी अधिकारी ने स्वरचित कविता पाठ किया |

मुख्य अतिथि श्री सोहन लाल लखानी ने अपने उद्बोधन में कहा की हमारे आस-पास के आवरण यानि पर्यावरण में सामंजस्य नहीं होगा तो परिवेश प्रभावित होता है, अत: आस-पास का आवरण अच्छा होना आवश्यक है और यह तभी संभव होगा जब हम आस-पास के जीव-जंतुओं एवं वृक्षों की रक्षा करेंगे | उन्होंने कहा कि, पर्यावरण स्वच्छ रखना सभी का मौलिक कर्तव्य है इसकी शरूआत हर व्यक्ति को अपने घर से करनी चाहियें |

इसके पश्चात संस्थान में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आफरी कर्मचारियों के लिए कविता लेखन प्रतियोगिता एवं शोधार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया | कविता लेखन प्रतियोगिता में श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता, सहायक निदेशक, राजभाषा ने प्रथम, श्री सोहन लाल गर्ग, सीनियर तकनीशियन ने द्वितीय, श्री अनिल शर्मा, तकनीकी अधिकारी एवं श्री कैलाश चौधरी, एम.टी.एस. ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | निबंध लेखन में सुश्री विपुला व्यास ने प्रथम, सुश्री वर्षा गिरी ने द्वितीय एवं श्री मंगलदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | 3 जून 2022 को आयोजित "मानव श्रंखला" के दौरान विभिन्न पोस्टर्स प्रदर्शित करने के लिए सुश्री शोभा मेहरा, श्रीमती आस्था शर्मा, सुश्री सुमैया अंसारी, सुश्री पूजा कट्टीपराम्बिल, सुश्री कृतिका, सुश्री निकिता माहेश्वरी, सुश्री गीतिका व्यास एवं सुश्री देबस्मिता की प्रमाण पत्र प्रदान कर सराहना की गयी| कार्यक्रम के समन्वयक विस्तार विभाग के डॉ. बिलास सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी थे |कार्यक्रम में समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोधार्थी उपस्थित थे | कार्यक्रम के अंत में संचालक श्री राजेश गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया |

5 जून 2022 को आफरी में मनायें गए पर्यावरण दिवस कार्यक्रम की झलकियाँ

ONLY
EARTH